



-६-

प्रमाणित किया जाता है कि यह मूल दस्तावेज एक द्वितीयक प्रति एक छुरे की हुक्क और सचो प्रति है जो ६ पैज में टाईप किया गया है।

Handwritten notes on the right side of the page, including a large arrow pointing to the banknote and some illegible scribbles.

टंक सह दस्तावेज नवीस लल्लु सिंह मौकाम गुमला ला० न० १।०१ मन मौकिराब के कल्ले पर यह बिक्री टाईप किया वो पढ़ कर सुना वो समझा दिया सुन समझ कर वोलें ठीक है।

टंक

Handwritten signature and date 28.2.02.

Handwritten signature and date 28.2.02.

(लल्लु सिंह गुमला कोट)

शारदा कुमारी पाण्डेय













-3-

खता नं० - प्लॉट नं० -  
१२२ ३८३

(एक सौ बाइस) (तीन सौ तिरासी)

१२२ ३८३

(एक सौ बाइस) (तीन सौ तिरासी)

रकवा  
०.०२५ - २०

०.०२५ - २०

०.०५ एकड़

24.05.65  
श्रीमती कृष्णा  
१४.५.६५

कुल रकवा पांच डीसमील आवासीय यौय खाली भूमि।

खरीदगो जमीन का लम्बाई एवं चौड़ाई नक्शा में क्रमशः लाल रंग से दर्शाया गया है।

उत्तर तरफ पुरब से पश्चिम को लम्बाई ६३ फीट

दक्षिण तरफ पुरब से पश्चिम को लम्बाई ६३ फीट

पुरब तरफ उत्तर से दक्षिण को चौड़ाई ३३ फीट

पश्चिम तरफ उत्तर से दक्षिण को चौड़ाई ३७ फीट

चौहदी :- उत्तर - दिनेश कुमार महतो

दक्षिण - रास्ता

पुरब - श्रीमती कृष्णा देवी

पश्चिम रास्ता।

आगे मम मोकिरान को रूपया के जरूरी वास्ते करने व्यापार का हुवा के मोकिर अलेहा से मोवलिग ६०,०००। - नव्वे हजार रूपया पहले कुल पाकर उपर लिखा जमीन को आज के तारीख से बिक्री किया

शारदा कुमारी पांडेय





अब चाहिए के से बिक्री जमीन पर मौकिल अलेहा दखल कार होकर  
 वो रह कर अपना कच्चा पक्का मकान करावे, कुआ खोदे, चहार  
 दिवारो दिलावे या फन इच्छा हो अपने किया करे वो अपने नाम  
 से खारिज दाखिल करा कर साल व साल माल अदा कर खास रसोद  
 लिया करे इसमें उजुर फन मौकिरान या फन मौकिरान के अन्य दिगर  
 का कोई उजुर नही है न करेगे न होगा आज तक जिस किसोम का  
 हक वो दावी फन मौकिरान या उनके वारोसान का था या आइन्दे  
 होना से कुल हक वो दावी आज के तारोख से मौकिल अलेहा खरो-  
 ददार वो उनके वारोसान का हुका वो आइन्दे होगा से बिक्री जमीन  
 खतियान के अनुसार सरकारो नही है न ही सरकार द्वारा अधिग्रहण  
 किया गया है न ही मुदान, मुहदवन्दो, लोज, मु-अज़न तथा मुवन्दोवस्तो  
 का है न होखनन एवं वन सोमा का है न ही मठ, मन्दिर, गिरजा, सरना,  
 मस्जिद तथा गुरुद्वारा का है न ही पूर्व में बिक्री की गयो है न ही  
 आदिवासी खाते को है इसलिये फन मौकिरान अपना- अपना माल बुरा  
 सौच समझ कर वहालो मिजाज से बिक्री लिख दिये के समय पर काम  
 आवे ।

50-50-70  
 1850  
 28-4-87

शारदा कुमारी पाण्डेय





-५-

हमलोग लेख्यकारी फारखण्ड मू-हदवन्दो अधिनियम १९६१ की धारा १६(२) के अधीन घोषणा करते हैं कि हमलोगों के द्वारा बिक्री की जाने वाली जमीन मू-हदवन्दो की अधिकतम सीमा से अधिक नहीं है।

24.05.05  
28.2.07

20.5.07  
24.05.07  
28.2.07

मैं लेख्यधारी फारखण्ड मू-हदवन्दो अधिनियम १९६१ की धारा १६(२) के अधीन घोषणा करती हूँ कि मेरे द्वारा खरीदी जानेवाली जमीन मू-हदवन्दो की अधिकतम सीमा से अधिक नहीं है।

शारदा कुमारी पाण्डेय  
24.5.05

शारदा कुमारी पाण्डेय